समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

कक्षा - 7

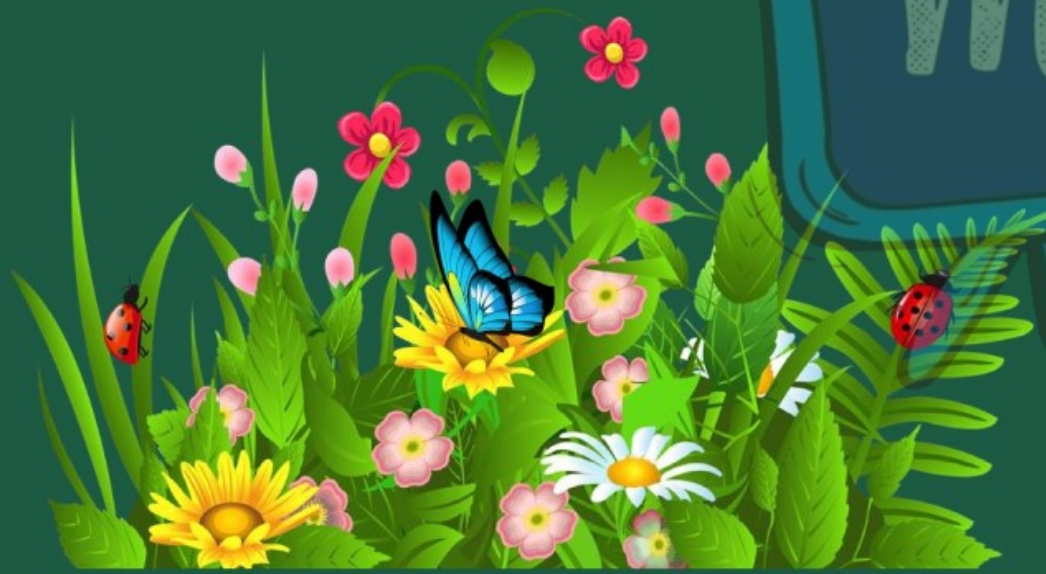
हिंदी (पल्लव)

अध्याय – 5

जीना-जिलाना मत भूलना

भाग – 1

मिताली कुमारी



सवेरे उगकर सूरज कहता
रोशनी फैलाना मत भूलना,
चमक-चमक कर चाँद कहता
चाँदनी बिखेरना मत भूलना।



हरियाली फैलाकर पेड़ कहते
छाँव देना मत भूलना,
चहक-चहक कर पक्षी कहते
मीठे गाना मत भूलना।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

खिल-खिल कर फूल कहते
प्यार बाँटना मत भूलना,
हिल-मिल कर भौर कहते
गले लगाना मत भूलना।



बढ़ती-बढ़ती नदियाँ कहतीं
बढ़ते रहना मत भूलना,
बहती-बहती हवाएँ कहतीं
जिंदगी देना मत भूलना।



कहती प्रकृति, आए विपत्ति
हँसना-हँसाना मत भूलना,
चलें गोलियाँ, फटें गोले
जीना-जिलाना मत भूलना।

— डॉ. अच्युत शर्मा



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें —

शब्द	अर्थ
जिलाना	दूसरे को जीने की प्रेरणा देना, जीने में मदद पहुँचाना
उगकर	उदित होकर
सूरज	सूर्य
रोशनी	प्रकाश, उजियाला
छाँव	छाया
बढ़ती-बढ़ती	आगे बढ़ती हुई

शब्द	अर्थ
बहती-बहती	बहती हुई
विपत्ति	आपदा, बाधा, परेशानी
गोले	बम आदि गोलाकार मारणास्त्र
उपकरण	उपादान
निरंतर	लगातार, अविराम
संकट	आपदा, विपत्ति
चलें गोलियाँ, फटें गोले	मनुष्य द्वारा सर्जित आपदाओं का आना

मूल्यांकन





1 सवेरे उगकर .....सूरज..... कहता
रोशनी फैलाना मत भूलना,

मूल्यांकन



2 खिल-खिल कर ....फूल.... कहते

प्यार बाँटना मत भूलना

मूल्यांकन





3 हरियाली फैलाकर ...पेड़....कहते
छाँव देना मत भूलना,